सफलता की कहानी

कृषक का नाम	– प्रफुल्य महतो
पिता का नाम	– स्व0 मनीन्द्रनाथ महतो
गाँव	– लावजोड़ा
पंचायत	– भुला
प्रखण्ड	– बोड़ाम

प्रफुल्य महतो सब्जी एवं मत्स्य पालक कृषक के रूप में अपने क्षेत्र में जाने जाते है। कुछ वर्षो पूर्व 2010–11 में प्रफुल्य महतो साधारण कृषकों की भांति ही परम्परागत खेती करते थे। आत्मा कृषि विभाग के द्वारा अपने गाँव से कृषक मित्र के रूप में चयनित हुए। कृषक मित्र के रूप में कार्य कर कृषि एवं कृषि तकनीकी की नवीनतम जानकारी से अवगत हुए। अपने साथ–साथ गाँव के अन्य किसानों को भी आत्मा के द्वारा संपन्न होने वाले कृषक गोष्ठी, प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित करते रहे है। इस दौरान आत्मा के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक ने प्रेरित किया। अपने खेतों में ये सब्जी एवं धान की खेती उन्नत तकनीक से करने लगे। प्रशिक्षण में भाग लेने के पश्चात ये लगातार पंक्तिबद्ध बोआई तकनीक से धान की खेती कर रहें हैं और इससे इनको धान का परम्परागत विधि के तुलना में दोगुना उपज प्राप्त हो रहा है। रबी मौसम में टमाटर का अधिक मात्रा में खेती करने के साथ ही साथ अन्य सब्जी फुलगोभी, करेला, बैगन की खेती भी करते आ रहें हैं। वर्ष 2019–20 में मत्स्य पालन में इनकी रूचि को देखते हुए तकनीकी जानकारी के लिए पश्चिम बंगाल के रामसागर एवं मोइना आत्मा के माध्यम से अन्तर्राजकीय परिभ्रमण में भेजा गया जहाँ ये तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के पश्चात इस वर्ष खरीफ मौसम में अपने तालाब के अलावे लीज पर तालाब लेकर मछली का जीरा का उत्पादन अधिक मात्रा में करके लगभग 1,50,000 रूपये लाभ कमाया है। वैश्चिक महामारी कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान इन्होंने जमशेदपुर में काफी सब्जी राज्य स्तर के निबंधित संस्था ऑल सीजन फार्म फ्रेश के माध्यम से होम डिलीवरी किया है।

मिश्रित खेती करने से प्रफुल्य महतो को सालों भर आमदनी हो रही है जिससे ये अपने घर–परिवार का भरण–पोषण कर रहें है । खेती के कार्यो से ही अपने भाईयों को पढ़ाया लिखाया जिसके कारण वे अच्छे संस्थान पर नौकरी कर रहें है। इनके बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े होकर स्वरोजगार कर रहें है।

समय समय पर जिला कृषि पदाधिकारी–सह–परियोजना निदेशक, आत्मा श्री मिथिलेश कुमार कालिन्दी प्रफुल्य महतो एवं अन्य किसानों को तकनीकी सुझाव देते रहते है।

प्रफुल्य महतो द्वारा किये गये खेती का छायाचित्र

to expedite the implementation of development plans and complete the development works in time, according to the guidelines received from the state government. Director NEP Jyotsna Singh was present in the video conferencing.

Barigora under Parsudih police station area in the morning.
Police have recovered both the bodies and sent them to the MGM Medical College mortuary for post-mortem having taken statements of the bereaved family members. The girl was later identified as Gayatri Kumari, daughter of Papu Rao, a resident of Garamnalah area in Sakchi.
The police said father had lodged a missing per-

Mixed farming ensures year-round income for Prafulya Mahto

Mail News Service

Jamshedpur, Aug 6: Lavjora, a hamlet in Bhula panchayat of Bodam Block is the domicile of traditional farmers. But things are steadily changing for the better with multi or mixed farming based on advanced techniques. The income levels of the farmers have improved rapidly and the credit for the development goes to the agriculture department of ATMA. An example of economic growth is farmer Prafulya Mahto.

Initially, Prafulya took to traditional ways of farming. He was picked by ATMA and made Krishi Mitr (Farmer's friend). While functioning as Krishi Mitr he inspired other farmers to attend farmers' conclaves, training and technical tours. Prafulya Mahto himself was inspired by the Block Technical and Assistant Technical Managers to undergo training conducted by Krishi Vigyan Kendra (Agriculture Science Centre). There was no looking back for this Lavjora farmer. He became a trend-setter in simultaneous cultivation of paddy and vegetables. He is currently following the row-wise paddy seedling plantation format and he is reaping double the harvest as compared to the yields based on traditional methods. His acquired innovative technicalities has seen him getting good returns in Rabi vegetable crops like tomatoes, cauliflower, bitter gourd and brinjal along with paddy cultivation.

During the 2019-20 period, seeing his interest in fish rearing, he was sent to West Bengal to gain the latest nuances of successful fishery venture. The ATMA initiated effort aroused the keen interest of farmer Prafulya Mahto who, during the Kharif season farmed fish spawn not only in his own pond but also took several others on lease. He earned Rs 1.50 lakh out of this business.

Even during the pandemic phase, Prafulya Mahto's income sources have not dried up. State registered organization, 'All Seasons Farm Fresh' ensured that his vegetable yields were collected from his fields against spot cash payment and delivered to homes regularly. In fact, Prafulya's enhanced income has seen to good education of his siblings and children and today, they have settled into comfortable ways of earning. But the scope of improvement is unending. The District Agriculture Officer-cum-Project Director of ATMA, Mithilesh Kumar Kalindi visits farmers at regular intervals and updates them on the latest farming techniques.

मिश्रित खेती करने से किसान प्रफुल्य महतो को सालों भर हो रही है आमदनी

आत्मा कृषि विभाग ने गाँव के कृषक मित्र के रूप में किया हैं चयनित

संवाददाता (शंकर अग्रवाल)

सब्जी खेती व मत्स्य पालन क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बने बोड़ाम के प्रफुल्ल

- लावजोड़ा गांव में 2010-11 में शुरू की थी खेती, मिश्रित खेती से बनायी पहचान

पटमदा : बोड़ाम के लावजोड़ा गांव निवासी प्रफुल्ल महतो पूरे इलाके के लिए मिश्रित सब्जियों की खेती व मत्स्य पालन के लिए प्रेरणाश्रोत बन गये है. क्षेत्र में प्रगतिशील किसान के रूप में प्रसिद्ध प्रफुल्लो ने वर्ष 2010-11 में लावजोड़ा गांव में परंपरागत खेती कार्य शुरू किया था.

आत्मा कृषि विभाग के सहयोग से प्रफुल्लो ने पहले कृषक मित्र के रूप में कार्य कर कृषि संबंधी जानकारियां हासिल की. आत्मा द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में भी हिस्सा लिया. उन्होंने धान की खेती के साथ रवि मौसम में होने वाली टमाटर, फुलगोभी, बैंगन, करेला आदि का भी खेती की. इससे प्रफुल्लो ने मुनाफा कमाया. प्रफुल्लो ने लॉकडाउन में मिश्रित सब्जियों की होम डिलिवरी भी की. साथ ही उन्होंने मत्स्य पालन से 2019-20 में डेढ लाख रुपये कमाया. प्रफुल्लो को देख गांव के अन्य युवक भी खेती करने लगे है. प्रफुल्लो ने कहा कि कृषि कार्य में उन्हें जिला कृषि पदाधाकिरी मिथिलेश कुमार कालिंदी के साथ आत्मा के प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक ने भी लगातार प्रेरित किया.

प्रफुल्ल द्वारा की गयी सब्जियों की खेती.

प्रभात खबर Mon, 10 August 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/54118772

सब्जी खेती व मत्स्य पालन क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बने बोड़ाम के प्रफुल्ल

- लावजोड़ा गांव में 2010-11 में शुरू की थी खेती, मिश्रित खेती से बनायी पहचान

पटमदा : बोड़ाम के लावजोड़ा गांव निवासी प्रफुल्ल महतो पूरे इलाके के लिए मिश्रित सब्जियों की खेती व मत्स्य पालन के लिए प्रेरणाश्रोत बन गये है. क्षेत्र में प्रगतिशील किसान के रूप में प्रसिद्ध प्रफुल्लो ने वर्ष 2010-11 में लावजोड़ा गांव में परंपरागत खेती कार्य शुरू किया था.

आत्मा कृषि विभाग के सहयोग से प्रफुल्लो ने पहले कृषक मित्र के रूप में कार्य कर कृषि संबंधी जानकारियां हासिल की. आत्मा द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में भी हिस्सा लिया. उन्होंने धान की खेती के साथ रवि मौसम में होने वाली टमाटर, फुलगोभी, बैंगन, करेला आदि का भी खेती की. इससे प्रफुल्लो ने मुनाफा कमाया. प्रफुल्लो ने लॉकडाउन में मिश्रित सब्जियों की होम डिलिवरी भी की. साथ ही उन्होंने मत्स्य पालन से 2019-20 में डेढ लाख रुपये कमाया. प्रफुल्लो को देख गांव के अन्य युवक भी खेती करने लगे है. प्रफुल्लो ने कहा कि कृषि कार्य में उन्हें जिला कृषि पदाधाकिरी मिथिलेश कुमार कालिंदी के साथ आत्मा के प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक ने भी लगातार प्रेरित किया.

प्रफुल्ल द्वारा की गयी सब्जियों की खेती.

मिश्रित खेती करने से किसान प्रफुल्य महतो को सालों भर हो रही है आमदनी

शंकर अग्रवाल

लौहनगरी

जमशेदपुर, 7 अगस्त, 2020 **3**

मिश्रित खेती करने से किसान प्रफुल्य महतो को सालों भर हो रही है आमदनी